RAF SECTOR

NEWS CLIP

22/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Rajasthan patrika Ahmedabad (GJ)

राज्य में ट्रैफिक व जनजीवन सामान्य

राजस्थान पत्रिका - 3

अहमदाबाद में शांति, वडोदरा में पथराव

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

अहमदाबाद/वडोदरा. नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर गुरुवार को अहमदाबाद में पुलिस पर पथराव की घटना के बाद शुक्रवार को अहमदाबाद सहित राज्यभर में शांति का माहौल रहा। हालांकि शुक्रवार को वडोदरा में पुलिस पर पथराव की घटना सामने आई है। जिसमें एसीपी, पीआई जख्मी हो गए। भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस को आंसूगैस के सेल छोड़ने पड़े। इसके अलावा हवा में दो राउंड गोली भी चलाई गई।

अहमदाबाद सहित राज्यभर में कहीं भी कोई विरोध प्रदर्शन या पुलिस के साथ टकराव की घटना सामने नहीं आई। अहमदाबाद में हुई घटना के बाद सतर्कता बरत रही वडोदरा पुलिस की ओर से वडोदरा शहर के हाथीखाना क्षेत्र में की जा रही वीडियोग्राफी पर आपत्ति जताते हुए कुछ लोगों ने विरोध किया और तकरार की। बाद में पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। देखते ही देखते हाथीखाना, पांजरीगर मोहल्ला एवं पटेल फलिया में भी पथराव होने लगा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

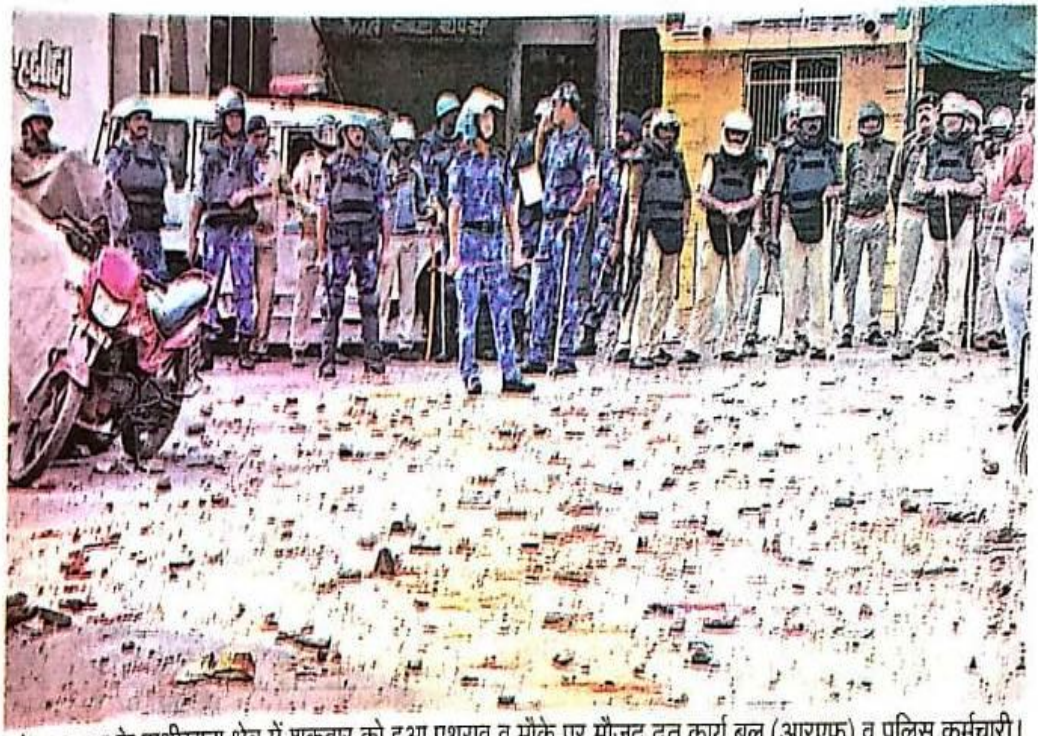

वडोदरा शहर के हाथीखाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुआ पथराव व मौके पर मौजूद द्रुत कार्य बल (आरएफ) व पुलिस कर्मचारी।

Rajasthan patrika Ahmedabad (GJ)

त: 8:00 एजेंडा टुडे
त: 9:00 जयपुर फास्ट
त: 10:00 कारोबार
पत्रिका TV

के लिए... रेडिएन्ट: 345. डेन : 332.
स्काई : 581. एयरटेल : 353. हैथवे : 218

गुजरात सिटीजन

अहमदाबाद, शनिवार, 21 दिसम्बर, 2019 Weekend राजस्थान पत्रिका

सूर्यास्त : आज शाम 07:16 बजे सूर्योदय : कल सुबह 05:59 बजे
चन्द्रोदय : आज सुबह 02:12 बजे चन्द्रास्त : आज रात 02:19 बजे

तापमान
अधिकतम 29.5°c, न्यूनतम 14.6°c

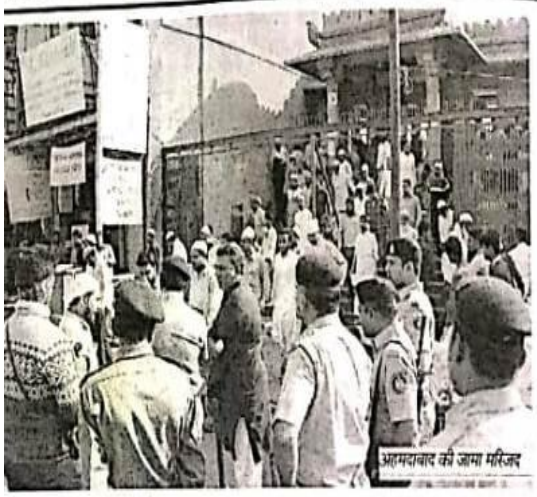

अहमदाबाद की जामा मस्जिद

जमालपुर

इसनपुर पीआई जे एम सोलंकी

शाह आलम

अहमदाबाद के शाह आलम में गश्त लगाते पुलिसकर्मी

अहमदाबाद में शुक्रवार को सामान्य दिखा जनजीवन

अहमदाबाद में दूसरे दिन शांति, आरएएफ, एसआरपी की संवेदनशील इलाकों में तैनाती

...फिक और जनजीवन ...मान्य

...त्रिका न्यूज नेटवर्क
...asthanpatrika.com

अहमदाबाद. भारत बंद के ऐलान के दौरान गुरुवार शाम को शहर में पुलिस पर पथराव की घटना के बाद दूसरे दिन शुक्रवार को पूरी तरह से माहौल शांत है। ट्रैफिक और जनजीवन पूरी तरह से सामान्य है।

सतर्कता के चलते शहर के संवेदनशील इलाकों में रेपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की तैनाती की गई है। इसके अलावा शुक्रवार को एसआरपीएफ की दो और कंपनियां राज्य सरकार से मांगी गई है। जिनके अहमदाबाद में पहुंचते ही। इन्हें भी इन संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है।

शहर के शाहआलम, मिर्जापुर, शाहपुर इलाके में गुरुवार को बंद के दौरान शाम के समय पुलिस पर पथराव और हमले की घटना हुई थी। मिर्जापुर में बस में तोड़फोड़ की गई। इसके बाद इन सभी संवेदनशील इलाकों में रेपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और एसआरपीएफ की तैनाती की गई है। आरएएफ की टीमें इन इलाकों सहित शहर के संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त कर रही हैं।

शहर पुलिस कंट्रोलरूम के उपायुक्त विजय पटेल ने बताया कि पूरे शहर में शुक्रवार को शांति है। कहीं कोई बंद या प्रदर्शन नहीं है। ट्रैफिक और जनजीवन आम दिनों की तरह सामान्य है। सतर्कता के चलते शहर के संवेदनशील इलाकों शाहआलम, मिर्जापुर, शाहपुर अन्य इलाकों में आरएएफ की दो कंपनी और एसआरपीएफ की चार कंपनियों की तैनाती की गई है। पैदल गश्त जारी है।

भड़काऊ वीडियो वायरल करने वाले के विरुद्ध क्राइम ब्रांच ने दर्ज की प्राथमिकी

अहमदाबाद. शहर में गुरुवार को शाहआलम चार रास्ते पर नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में किए जा रहे प्रदर्शन के बाद पुलिस पर पथराव और हमले की घटना सामने आई थी। उसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें पुलिस कर्मचारियों की ओर से लोगों पर बल प्रयोग करते हुए दर्शाया गया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है।

वीडियो के साथ लिखे संदेश में अहमदाबाद पुलिस को वीडियो में बल प्रयोग करते बताया गया है, जबकि ये वीडियो जांच करने पर उत्तरप्रदेश पुलिस की ओर से की जा रही कार्रवाई का है। इस फर्जी वीडियो को वायरल करने वाले की पहचान सुनिश्चित कर अहमदाबाद शहर क्राइम ब्रांच ने प्राथमिकी दर्ज की है। इसे वायरल करने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई है। उस पर फर्जी वीडियो वायरल करके लोगों की भावनाएं आहत करने और भड़काने का आरोप लगाया है। वीडियो फर्जी है, यह बात जानते होने के बावजूद उसने वीडियो वायरल किया। क्राइम ब्रांच आरोपी की तलाश में जुटी है।

अहमदाबाद शहर पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर एकाउंट पर ट्विट करके इस फर्जी वीडियो के बारे में लोगों को सचेत रहने और उसे वायरल नहीं करने को भी कहा है।

पार्षद सहित 60 पत्थरबाज, हमलावर गिरफ्तार

32 हुए चिन्हित, चार मामले दर्ज

310 लोगों को जांच के लिए किया राउंड अप

ईसनपुर पुलिस ने पार्षद शहजादखान सहित 49 को किया गिरफ्तार

सीसीटीवी, वीडियो फुटेज से चिन्हित किए जा रहे है आरोपी

अहमदाबाद. शहर में शुक्रवार को शांति व्यवस्था पूरी तरह से कायम होने के साथ ही शहर पुलिस ने पत्थरबाज और पुलिसकर्मियों पर हमला करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करनी शुरू की है। ईसनपुर, कारंज, शाहपुर और रखियाल थानों में चार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। जिनमें 60 लोगों की गिरफ्तारी की गई है, जबकि 310 लोगों को राउंड अप किया ...

ज्यादा बिगड़ने पर 19 पुलिस कर्मचारियों के घायल होने के मामले में ईसनपुर थाने में स्थानीय पार्षद शहजादखान सहित पांच हजार लोगों की भीड़ के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। शुक्रवार को पार्षद शहजादखान सहित 49 लोगों को गिरफ्तार किया है। 32 अन्य पत्थरबाज और हमलावरों को सीसीटीवी कैमरे और वीडियो के जरिए चिन्हित किया गया है। इनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शहर पुलिस कंट्रोलरूम के पुलिस उपायुक्त विजय पटेल ने बताया कि गुरुवार को शाहआलम, शाहपुर, कारंज में हुए पुलिस पर पथराव और रखियाल में मंजूरी बिना प्रदर्शन निकालने के मामले में चार अलग अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें ईसनपुर थाने में पार्षद सहित भीड़ के विरुद्ध हत्या की कोशिश, रायोटिंग, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों पर हमला करने, षडयंत्र सहित की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पार्षद शहजादखान सहित 49 लोगों को गिरफ्तार ... है। शाहआलम चार रास्ते पर प्रदर्शन के लिए शहजादखान ने ही मंजूरी मांगी थी, जिसे खारिज किया गया था। उसके बावजूद भी चार रास्ते पर बड़ी संख्या में लोगों के साथ प्रदर्शन किया गया।

कारंज में पुलिस पर पथराव और बस में तोड़ फोड़ के मामले में एवं शाहपुर में मिर्जापुर के कुरेशी चौक के पास पुलिस पर किए गए हमले के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। रखियाल में मंजूरी बिना प्रदर्शन करने ... 60 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। ईसनपुर मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है।

19 में से 3 पुलिसकर्मी अभी भी भर्ती

शाहआलम में पुलिस कर्मचारियों पर किए गए पथराव और हमलें में जख्मी हुए 19 में से ज्यादातर पुलिस कर्मचारियों को छुट्टी दे दी गई है। तीन पुलिसकर्मी अभी भी एल.जी. अस्पताल में भर्ती हैं। जिन्हें बेहतर उपचार दिया जा ...

आरोपियों के विरुद्ध होगी कड़ी कार्रवाई, इंटरनेट बंद नहीं : जाड़ेजा

महेसाणा. गृह राज्यमंत्री प्रदीप सिंह जाड़ेजा ने कहा कि अहमदाबाद शहर में पुलिस कर्मचारियों पर हमला करने और पथराव करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हमला करने वालों को इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे के जरिए चिन्हित किया जा रहा है। जाड़ेजा ऊंझा में आयोजित लक्षचंडी महायज्ञ में दर्शन को पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि गुजरात में मोबाइल फोन इंटरनेट सेवा बंद नहीं हो रही है। वह चालू है और चालू रहेगी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद के शाहआलम इलाके से कांग्रेस के पार्षद की गिरफ्तारी हुई है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए कदम उठाए जा रहे हैं। वडोदरा में वीडियोग्राफी के मामले को लेकर विवाद के बाद पुलिस पर पथराव हुआ है। फिलहाल राज्य में शांति है।

Amar Ujala Meerut (UP)

दिल्ली से आए बवाली, मास्टरमाइंड कौन

पुलिस-प्रशासन ने रात में शासन को भेजी बवाल की रिपोर्ट, मरने वाला आसिफ पुत्र जुग्गी भी दिल्ली से मेरठ भेजा गया

ाजेंद्र चौधरी

ेरठ। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में मेरठ में सबसे ज्यादा बवाल हुआ। चार लोगों की मौत हो गई, दो आरएएफ जवान, एक सिपाही समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात काबू में आने के बाद अब पुलिस बवाल के मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि लिसाड़ीगेट और हापुड़ रोड पर बवाल कराने के लिए दिल्ली से बड़ी संख्या में युवक भेजे गए थे। बवाल में मरने वाला आसिफ भी इसी उद्देश्य से दिल्ली से मेरठ भेजा गया था। रात में मेरठ पुलिस-प्रशासन ने यही रिपोर्ट शासन को भेजी।

इस बवाल के पीछे गहरी साजिश है। मेरठ के नेता, शहरकाजी समेत कई जिम्मेदार लोगों ने पुलिस को आश्वासन दिया था कि शहर में कोई बवाल नहीं होगा। इसके बावजूद सीएए के विरोध में मेरठ में सभी जिलों से ज्यादा हिंसा हुई। बवाल शांत होने के बाद रात दस बजे शहरकाजी व अन्य जिम्मेदार लोगों को एसएसपी ने अपने आवास पर बुलाया। पता चला कि बवाल की पटकथा दिल्ली में रची गई है। हालांकि बवाल के मास्टरमाइंड के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने एक सफेदपोश नेता पर आशंका जताई है। उसके मोबाइल की सीडीआर भी निकाली गई है। पुलिस का दावा है कि लिसाड़ीगेट और हापुड़ रोड पर बवाल करने वाले को दिल्ली से भेजा गया है। मरने वाला आसिफ पुत्र जुग्गी भी बृहस्पतिवार शाम दिल्ली से मेरठ में बवाल कराने आया था।

पनाह मेरठ में मिली

पुलिस की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि दिल्ली से आए बवालियों को लिसाड़ीगेट में पनाह मिली। एसएसपी ने शहरकाजी से कहा कि पनाह देने वाले भी चिह्नित होंगे। यह भी दोषी है। पुलिस ने वीडियोग्राफी कराई है। इसके माध्यम से भी बवालियों को चिह्नित कराया जा रहा है। आसिफ के साथ और कितने लोग मेरठ आए, इसकी जांच भी पुलिस ने शुरू कर दी है। बवाल में मरने वाला आसिफ मूलरूप से दिल्ली का रहने वाला था। जबकि उसके परिवार के लोग ताला फैक्टरी लिसाड़ी गेट में रहते हैं।

हापुड़ रोड पर उपद्रवियों की गोली लगने से घायल हुए आरएएफ दरोगा विद्याधर शुक्ला।

आखिर कौन है वो सफेदपोश नेता

बवाल के पीछे मेरठ के एक सफेदपोश नेता का नाम सामने आ रहा है। लखनऊ में बवाल होने के बाद दिल्ली में मेरठ में बवाल कराने की प्लानिंग बनाई गई। इसको लेकर दिल्ली में एक मीटिंग भी हुई थी। इसमें मेरठ का सफेदपोश नेता शामिल था। बृहस्पतिवार रात दिल्ली से आए बवालियों ने लिसाड़ीगेट में भी मीटिंग की।

शहर में हाई अलर्ट... हो गया बवाल

हिंसक हुई भीड़ ने पुलिस की कई गाड़ियां और दो चौकियां फूंकी, सुपर जोन, जोन और सेक्टर व्यवस्था भी काम नहीं आई

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए जारी हाई अलर्ट के बीच बवाल हो गया। जामा मस्जिद से विरोध प्रदर्शन करती निकली भीड़ में से कुछ प्रदर्शनकारी एकाएक हिंसक हो गए। हालात इस कदर बेकाबू हुए कि हिंसक भीड़ ने थाना लिसाड़ी गेट की इस्लामाबाद और जाकिर कॉलोनी पुलिस चौकी फूंक दी। पुलिस के कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस बल पर पेट्रोल बमों से हमला करने के साथ ही सीधे फायरिंग की। जिसमें आरएएफ के एक दरोगा और एक सिपाही के अलावा एक प्रशिक्षु पुलिसकर्मी को भी गोली लगी। पथराव में डीएम, एसएसपी, एसपी सिटी और एडीएम सिटी समेत कई पुलिसकर्मी चोटिल हो गए।

हालात पर काबू पाने के लिए शहर को तीन सुपर जोन, नौ जोन और तीस सेक्टरों में बांटा गया था। लेकिन बवाल में कुछ काम नहीं आया। शहर के अधिकांश सेक्टरों में फोर्स नहीं दिखी। दोपहर करीब दो बजे कोतवाली स्थित जामा मस्जिद से नमाज के बाद लोगों की भीड़ नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करते हुए बाहर निकली। पुलिस फोर्स ने उनको रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ दिया। इसके बाद 15-20 बवाली लिसाड़ीगेट चौराहे पर पहुंचकर, हंगामा करने लगे। भीड़ बढ़ती गई, जिसके बाद बवालियों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग करनी शुरू कर दी। इसके बाद भूमिया पुल से लिसाड़ी रोड, हापुड़ अड्डा और हापुड़ रोड पर फैले बवाल को पुलिस-प्रशासन समय रहते काबू नहीं कर पाया।

अवैध असलाहों से बरसीं गोलियां

लिसाड़ीगेट में अवैध हथियारों की फैक्टरी चलती है। यहां से असलहे सप्लाई होते हैं। शुक्रवार को इन्हीं अवैध असलहों से पुलिस पर गोलियां बरसाई गईं। इतने हथियार पुलिस के पास नहीं थे, जितने बवालियों के पास थे। यही वजह थी कि बवाली पीछे नहीं हटे। पुलिस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलती रहीं।

फोर्स की कमी का उठाया फायदा

बवाल को कंट्रोल करने के लिए फोर्स भी कम था। इसका फायदा भी बवालियों ने उठाया। लिसाड़ीगेट में पुलिस फोर्स रही तो हापुड़ अड्डे पर बवालियों ने अराजकता की। इसको लेकर रात में एडीजी, आईजी, डीएम और एसएसपी की मीटिंग हुई। उसके बाद मेरठ में पुलिस फोर्स बाहरी जिलों से बुलाई गई है। कई पुलिस अधिकारियों को लगाया गया है।

मैं आतंकवादी नहीं : गफ्फार

मेरठ। नगर निगम के एक पार्षद ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में अलग तरीके से प्रदर्शन किया। पार्षद गफ्फार अहमद ने काले रंग की जैकेट पर पीछे लिखा था आई एम नॉट टेररिस्ट, बैकअप सीएए, एनआरसी।

पार्षद इस जैकेट को पहनकर दिन भर निगम और शहर की सड़कों पर घूमते रहे। नगर निगम पहुंचने पर उन्होंने बताया कि नागरिक संशोधन कानून सभी लोगों के लिए है न की अकेले मुस्लिमों के लिए। सरकार को इस कानून को लाने की जरूरत नहीं थी। सरकार को पहले पांच साल में ही देश से घुसपैठियों को निकाल देना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया तो यह सरकार की विफलता है। अब कानून का औचित्य नहीं है। सरकार ने विशेषकर एक धर्म को टारगेट करके कानून बनाया है। उससे तो ऐसा लगता है कि तमाम मुस्लिम आतंकवादी हैं। मेसेज दिया है। मैं भीड़ के रूप में मेसेज नहीं देना चाहता। है। जरूरत पड़ने पर भीड़ का भी ...

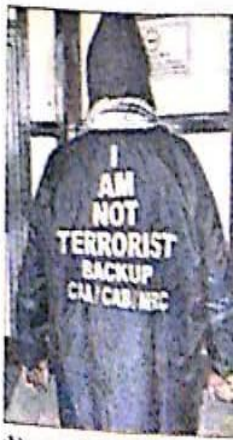

Amar Ujala Meerut (UP)

जामा मस्जिद पर नमाज के बाद शुरू हुआ बवाल

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

शहर कोतवाली स्थित जामा मस्जिद पर जुमे की नमाज के बाद बवाल हो गया। काली पट्टी बांधकर विरोध कर रहे लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने फोर्स पर पथराव किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को दौड़ा लिया। पथराव में एसपी ट्रैफिक घायल हो गए। डीएम-एसएसपी ने मौके पर पहुंचकर भीड़ पर काबू पाया।

जामा मस्जिद पर नमाज शुरू होने से पहले दो स्थानों पर काली पट्टियां बांटी जा रही थीं। एक स्थान से पुलिस ने काली पट्टी बांट रहे लोगों को फटकारकर भगा दिया। लेकिन दूसरे स्थान मस्जिद के ठीक सामने बंद दुकानों के बाहर काली पट्टियों का वितरण होता रहा। लोगों ने काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। दोपहर दो बजे नमाज खत्म होते ही भीड़ मस्जिद से बाहर निकली तो नागरिकता कानून के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। भीड़ ने पहले से कपड़ों में छिपाकर रखे 'नो कैब' के पर्चे निकाल लिए। खूब प्रोटेस्ट किया। नमाजियों की भीड़ को पुलिस ने कोतवाली के पीछे की तरफ डायवर्ट कर दिया। हापुड़ अड्डे पर तैनात सिटी मजिस्ट्रेट संजय पांडेय और सीओ दिनेश शुक्ला आरएएफ लेकर जामा मस्जिद पहुंच गए। इस दौरान हंगामा ज्यादा बढ़ा तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस ने लाठियां भांजकर भीड़ को तितर बितर कर दिया। ज्यादातर भीड़ जामा मस्जिद से निकलकर कोतवाली के पीछे से होती हुई लिसाड़ी गेट चौपला पहुंच गई। एसपी ट्रैफिक संजीव वाजपेयी और एसपी क्राइम रामअर्ज ने भीड़ को गोलाकुआं की तरफ खदेड़ दिया। इस दौरान डीएम अनिल ढींगरा और एसएसपी अजय साहनी भी पहुंच गए।

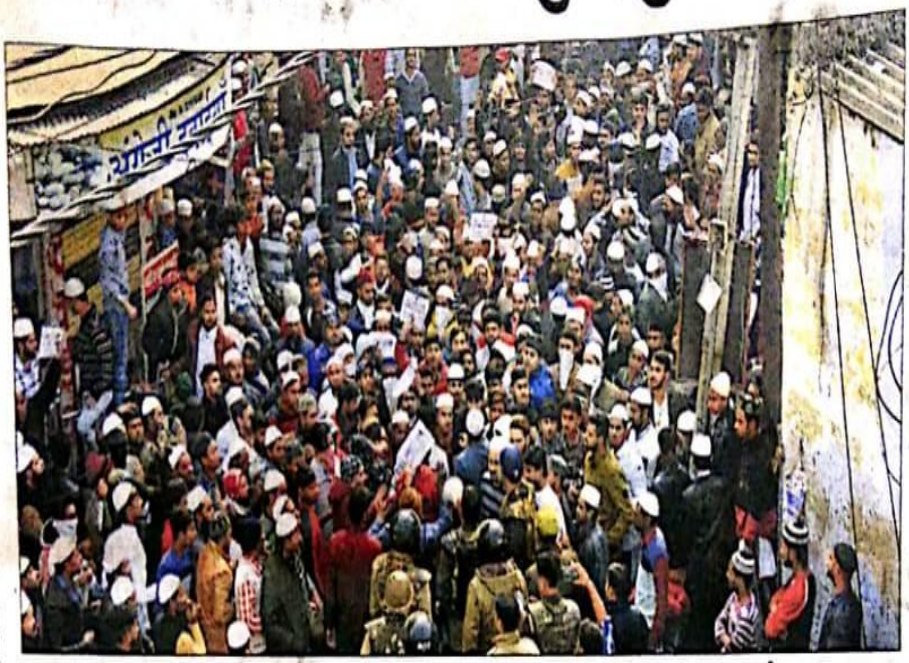

शुक्रवार दोपहर जामा मस्जिद पर जुमे की नमाज के बाद भीड़ एकत्र होना शुरू हो गई। • हिन्दुस्तान

के पीछे कौन?

मेरठ। मेरठ में हिंसा कराने को लेकर कई दिनों से प्लानिंग की जा रही थी। मैसेज वायरल किए जा रहे थे और गोपनीय तरीके से बैठकें चल रही थीं।

पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी कर कुछ आपत्तिजनक बैनर-पोस्टर और पर्चे भी पकड़े थे। कई बार मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद किया गया और प्रयास किया गया कि सब कुछ सामान्य रहे। शहर काजी से लेकर धर्मगुरुओं और बुजुर्गों तक से अपील कराई गई, लेकिन कुछ काम नहीं आया।

नागरिकता कानून को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर लगाम लगाने के लिए पिछले कई दिनों से पुलिस-प्रशासन मशक्कत कर रहा था। दो बार मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद की गई। पुलिस टीम को जहां भी आपत्तिजनक सामग्री बांटे जाने की सूचना मिल रही थी, वहां दबिश दी जा रही थी।

विश्वविद्यालय में कुछ छात्र नेताओं की विरोध प्रदर्शन को लेकर गिरफ्तारी भी की गई। शहर और देहात से पुलिस ने 10 लोगों की धरपकड़ करते हुए जेल भी भेजा।

नियंत्रण

जिला प्रशासन के इमरजेंसी कॉल पर अलर्ट हुई आरएएफ की 108 वाहिनी, स्पेशल कमांडो की क्यूआरटी के साथ शहर में निकले आरएएफ के कमांडेंट

जहां-जहां बवाल होता गया... आरएएफ मोर्चा संभालती गई

मनु चौधरी

मेरठ। शहर में जिस जगह बलवा हुआ, वहां के हालात बेकाबू होने पर पुलिस-प्रशासन के पसीने छूट गए। जिला प्रशासन की इमरजेंसी कॉल पर रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की 108 वी वाहिनी ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। आरएएफ के कमांडेंट शैलेंद्र कुमार स्पेशल कमांडो की क्यूआरटी के साथ शहर में निकले। जहां-जहां भी बवाल होता रहा, वह क्षेत्र क्यूआरटी के हवाले कर स्थिति को काबू में किया गया।

आरएएफ की एक कंपनी पहले से शहर की सुरक्षा में शुक्रवार को दिन भर अलग-अलग स्थानों पर तैनात रही। दोपहर दो बजे के बाद स्थिति बिगड़नी शुरू हुई। ऐसे समय में जब शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति को खतरा बना तो आरएएफ की मदद लेने का फैसला लिया गया। जिला मजिस्ट्रेट अनिल ढींगरा ने आरएएफ के अधिकारियों को सूचना दी। शाम साढ़े चार बजे आरएएफ के कमांडेंट [illegible] वाहन और दंगा नियंत्रण वाहनों से निकले। आरएएफ की क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) को भूमिया पुल से लिसाड़ी रोड और हापुड़ रोड पर बवाल वाली जगहों पर भेजा गया। भूमिया पुल पर आरएएफ के कमांडेंट खुद मोर्चा संभाल रहे थे, वहीं भूमिया पुल से हापुड़ अड्डा के बीच आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट सत्यप्रकाश चतुर्वेदी, संजय कुमार डिप्टी कमांडेंट डेल्टा कंपनी आरएएफ, असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट अजय वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट कौशल चौधरी ने मोर्चा संभाला।

इस्लामाबाद चौकी [illegible] की सूचना पर मौके पर पहुंची आरएएफ। संवाद

तुरंत लागू हुआ सुरक्षा प्लान

जहां-जहां भीड़ बवाल कर रही थी, वहां आरएएफ ने सुरक्षा प्लान लागू कर दिया। आरएएफ की स्पेशल टीमों ने सिविल पुलिस, पीएसी और पुलिस अफसरों को पीछे हटाते हुए खुद ही बलवाइयों का मुकाबला करना शुरू किया। प्लान ए लागू करते हुए आरएएफ ने दंगा नियंत्रण वाहनों के साथ मार्च शुरू किया, जिसके पीछे पुलिस अफसरों के वाहन थे। भीड़भाड़ वाले और तंग गलियों से हो रही पत्थरबाजी और गोलीबारी का जवाब देने के लिए बी प्लान लागू किया गया। जिसमें सबसे आगे आरएएफ की क्यूआरटी और पीछे पुलिस फोर्स के जवान थे। आरएएफ ने अलग-अलग प्रकार के गोले छोड़कर बलवाइयों पर नियंत्रण किया। आरएएफ एक स्थान पर मोर्चा संभालती, तभी दूसरे स्थान से आरएएफ बुलाने की मांग अफसर करते। शाम छह बजे ही भूमिया पुल, लिसाड़ी चौपला, हापुड़ अड्डा, इस्लामाबाद चौकी, हापुड़ रोड, लिसाड़ीगेट और कोतवाली में क्यूआरटी लगाई गई।

यह था विशेष आपात काल का मौका

रैपिड एक्शन फोर्स में क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट का पूरा सुरक्षा प्लान लागू होता है। पुलिस-प्रशासन को जब लगता है कि हालात संभालना मुश्किल हो रहा है तो आरएएफ को कॉल किया जाता है। यह आरएएफ के लिए विशेष आपातकाल की स्थिति होती है। खुद कमांडेंट स्पेशल टीमों के साथ शहर में निकलते हैं। आरएएफ के कमांडेंट के साथ जो क्यूआरटी होती है, उनमें एक टीम में 15 स्पेशल जवान होते हैं। यह जवान कमांडो की ट्रेनिंग में दक्ष होते हैं।

हेडक्वार्टर से ली जानकारी

बवाल में आरएएफ के एसआई बीडी शुक्ला और कांस्टेबल अनुज कुमार गोली लगने से घायल हो गए। इस मामले में आरएएफ और सीआरपीएफ हेडक्वार्टर से जानकारी ली गई। इनमें बीडी शुक्ला को कंधे के पास और अनुज को [illegible] गोली लगी।

Dainik Jagran Meerut (UP)

म्यांमार अफसरों ने सीखे अग्निशमन के गुर

जागरण संवाददाता, मेरठ: दंगों के दौरान हिंसा में आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए आरएएफ ने म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को फायर सेफ्टी उपकरणों का प्रशिक्षण दिया। आग पर नियंत्रण करने वाले अग्निशमन यंत्रों व वाहनों का उपयोग करना सिखाया। हिंसक भीड़ का ध्यान भटकाने के लिए युक्तियां बताईं। अफसरों को उपकरणों की विशेषता व प्रयोग का तरीका बताते हुए उनसे अभ्यास कराया।

रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की 108 बटालियन की आरएएफ एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर मैनेजमेंट (रैपो) में शुक्रवार को इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के अधिकारियों की ओर से आरएएफ और म्यांमार पुलिस के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें आरएएफ के कमाण्डेंट शैलेंद्र कुमार बतौर मुख्य अतिथि प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। दंगे में हिंसक भीड़ के द्वारा आगजनी की घटनाओं पर कैसे नियंत्रण करें इस पर केंद्रित रहते हुए अफसरों को अभ्यास कराया गया। आग को बुझाने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले अग्निशमन यंत्रों की जानकारी दी। विभिन्न तरह के सिलेंडरों सीओ-टू, ड्राई केमिकल पाउडर (डीसीपी), फोम सिलेंडर आदि को चलाकर उनका डेमो दिया। विभिन्न तरह की आग को बुझाने के लिए उनकी उपयोगिता बताई। आग लगने पर उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों से निपटना सिखाया। इमारतों में फंसे हुए लोगों को आग से बिना नुकसान सुरक्षित कैसे बाहर निकाला जाए, इसकी जानकारी दी। वहीं आरएएफ के अधिकारियों ने हिंसक दंगे के दौरान भीड़ पर काबू पाने के लिए उसके द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले वाहनों की जानकारी दी। जिसमें उन्होंने फायर टेंडर, वाटर कैनन, बज्र आदि वाहनों की विशेषताएं बताईं। वाहनों का उपयोग करके भीड़ प्रबंधन के गुर सिखाए। इस दौरान आरएएफ के डिप्टी कमान अधिकारी केएम बुनकर, उप कमाण्डेंट शिल्पा कुमार समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

आरएएफ की 108 बटालियन में म्यांमार पुलिस के अफसरों को उपकरणों की जानकारी देते आरएएफ के अफसर • सौ. 108 बटालियन

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।